

उत्तराखण्ड सरकार
सहकारिता विभाग
संख्या- 606/XIV-1/2007
देहरादून : दिनांक : 27 अगस्त, 2007

दिनांक अगस्त, 2007 को प्रख्यापित उत्तराखण्ड (सहकारिता विभाग) तृतीय वर्ग अधीनस्थ सेवा (संशोधन) नियमावली, 2007 की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव/उत्तराखण्ड शासन ।
2. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड ।
3. सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड ।
4. निबन्धक, सहकारी समितियाँ, उत्तराखण्ड अल्मोड़ा ।
5. सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड हरिद्वार ।
6. निदेशक, एन0आई0सी0सचिवालय परिसर ।
7. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, रुड़की (हरिद्वार) को नियमावली की हिन्दी, अंग्रेजी प्रतियों को संलग्न करते हुये इस निवेदन के साथ प्रेषित कि कृपया नियमावली को असाधारण गजटविधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड -क में मुद्रित कराकर इसकी 100 प्रतियां शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
8. समस्त जिला सहायक निबन्धक सहकारी समितियाँ, उत्तराखण्ड ।

(डा० रणवीर सिंह)
सचिव।

उत्तराखण्ड सरकार
सहकारिता विभाग
संख्या 606 /XIV-1/ 2007
देहरादून 27-8-2007

अधिसूचना

विविध

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल सहकारिता विभाग तृतीय वर्ग अधीनस्थ सेवा, नियमावली 2003 में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड (सहकारिता विभाग) तृतीय वर्ग अधीनस्थ सेवा (संशोधन)
नियमावली, 2007

भाग एक-सामान्य

- | | | |
|---------------------------|---|---|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1 | 1 |
|---------------------------|---|---|
- इस नियमावली का संक्षिप्त नाम "उत्तराखण्ड (सहकारिता विभाग) तृतीय वर्ग अधीनस्थ सेवा (संशोधन) नियमावली, 2007" है।
- 2 यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।
- 3 उत्तरांचल सहकारिता विभाग तृतीय वर्ग अधीनस्थ सेवा नियमावली, 2003 में जहाँ-जहाँ शब्द "उत्तरांचल" आया है वहाँ वहाँ शब्द उत्तराखण्ड पढ़ा जायेगा।

नियम 15 का संशोधन 2. नियम 15 के उप नियम (3), (4), (5), एवं (6) का प्रतिस्थापन

उत्तरांचल सहकारिता विभाग तृतीय वर्ग अधीनस्थ सेवा नियमावली 2003, जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये वर्तमान नियम 15 के उप नियम (3) (4) (5) एवं (6) के स्थान पर स्तम्भ 2 में दिये गये उपनियम रख दिये जायेगे, अर्थात्-

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम/ उप नियम

15. (3) लिखित परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों और मूल्यांकन के परिणाम को सारणीबद्ध कर लिये जाने के पश्चात चयन समिति नियम 6 में निर्दिष्ट आरक्षण के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार करेगी। साक्षात्कार के लिये बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या की चार गुनी होगी

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थपित नियम/ उप नियम

15. (3) चयन समिति, नियम 6 में निर्दिष्ट आरक्षण के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए, सेवा में भर्ती हेतु एक लिखित परीक्षा आयोजित करेगी। (क) लिखित परीक्षा 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी। प्रश्न पत्र मूल्यांकन में प्रत्येक सही उत्तर का एक अंक व प्रत्येक त्रुटिपूर्ण उत्तर हेतु 1/4 ऋणात्मक अंक दिया जायेगा। (ख) छटनीशुदा कर्मचारियों को सेवा में प्रत्येक एक पूर्ण वर्ष के लिये 05 अंक व अधिकतम 15 अंक दिये जायेंगे। प्रवीणता सूची लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों व अन्य

मूल्यांकनों के योग के आधार पर तैयार की जायेगी।

छटनीशुदा कर्मचारी का तात्पर्य उस व्यक्ति से है (एक) जिसने राज्यपाल की नियम बनाने की शक्ति के अधीन किसी पद पर स्थायी, अस्थायी रूप में, मौलिक रूप में कम से कम एक वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिये निरन्तर सेवा की हो

(दो) जिस अधिष्ठान में कमी या उसका परिसमापन किये जाने के कारण सेवा से अभिमुक्त किया गया हो या किया जा सकता है, और

(तीन) जिसके सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा छटनीशुदा कर्मचारी होने का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो, किन्तु, इसके अन्तर्गत केवल तदर्थ आधार पर नियोजित कोई व्यक्ति नहीं होगा।

(ग) लिखित परीक्षा की प्रश्न बुकलेट परीक्षा के पश्चात् अभ्यर्थियों को अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जायेगी।

(घ) लिखित परीक्षा की उत्तर शीट (Answer Sheet) कार्बन प्रति के साथ डुप्लीकेट में होगी तथा डुप्लीकेट प्रति अभ्यर्थी को अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जायेगी।

(4) किसी अभ्यर्थी द्वारा साक्षात्कार में प्राप्त किये गये कुल अंक चयन समिति के अध्यक्ष और सभी सदस्यों द्वारा पृथक-पृथक रूप से दिये गये अंकों की औसत की गणना करके अवधारित किये जायेंगे।

(5) प्रत्येक अभ्यर्थी को साक्षात्कार में प्राप्त अंकों को उसके द्वारा लिखित परीक्षा में प्राप्त किये गये अंकों से जोड़ दिया जायेगा। इस प्रकार प्राप्त अंकों के कुल योग के आधार पर अन्तिम चयन सूची तैयार की जायेगी। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी कुल योग में बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो लिखित परीक्षा में उच्चतर अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जायेगा। यदि लिखित परीक्षा में भी दो या अधिक अभ्यर्थी बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जायेगा। सूची में नामों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक (किन्तु 25 प्रतिशत से अधिक नहीं) होगी।

(6) पाठ्य विवरण—

प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित पाठ्यक्रम और नियम ऐसे होंगे जो सरकार द्वारा समय-समय पर विहित किये जायें।

(4) लिखित परीक्षा के पश्चात् लिखित परीक्षा की उत्तरमाला (Answer Key) को उत्तराखण्ड राज्य की आधिकारिक वेबसाइट तथा दैनिक समाचार पत्रों में, जिसका व्यापक परिचालन हो, पर प्रकाशित किया जायेगा।

(5) चयन समिति प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा लिखित परीक्षा एवं अन्य मूल्यांकनों के अंकों के कुल योग से, जैसा प्रकट हो, प्रवीणता सूची (अन्तिम चयन सूची) तैयार करेगी। यदि लिखित परीक्षा में दो या अधिक अभ्यर्थी बराबर बराबर अंक प्राप्त करें तो आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जायेगा। सूची में नामों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक (किन्तु पच्चीस प्रतिशत से अनधिक) होगी।

पाठ्य विवरण—

(6) प्रतियोगिता परीक्षा का पाठ्यक्रम ऐसा होगा जो इस पद की परीक्षा हेतु निर्धारित विषयों के लिए इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी से सामान्यतः अपेक्षित हो।

प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित विषय से सम्बन्धित
वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे-

(क) सामान्य ज्ञान, सामान्य अध्ययन

एवं सामान्य हिन्दी

- 70

(ख) अंक गणित

- 30

योग

100

आज्ञा से,

(डा० रणबीर सिंह)
सचिव।